टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे पर संशय बरकरार सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रही बीसीसीआई

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के इसी माह के अंत में प्रस्तावित बांग्लादेश दौरे पर संशय बना हुआ है। इसी कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी तक इस दौरे की पुष्टि नहीं कर पाया है। बोर्ड इस मामले में केंद्र सरकार से अनुमति का इंतजार कर रहा है क्योंकिं हाल के दिनों में दोनो देशों के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए हालात पहले जैसे नहीं रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान हालातों में वे अपने स्तर पर इस दौरे को लेकर अंतिम फैसला नहीं कर सकते हैं।

इसी कारण बोर्ड जल्द ही भारत सरकार से इस मामले में औपचारिक अनुमति मांगेगा। इसी के देखते हुए सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही दौरे को लेकर आगे की योजना तय की जाएगी। दूसरी ओर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि वह सीरीज की मेजबानी को लेकर बीसीसीआई के साथ संपर्क में बना हुआ है। बीसीबी को उम्मीद है कि जल्द ही दौरे को लेकर स्थिति अंतिम फैसला आ जाएगा।

गौरतलब है कि बीसीबी ने इस दौरे के लिए 29 अगस्त से 15 सितंबर तक का विंडो रखा है। इसमें तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। इस कार्यक्रम के तहत ही एकदिवसीय मैच 1, 3 और 6 सितंबर को जबकि टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को रखे गये हैं। भारतीय टीम के 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचने की उम्मीद है, हालांकि यह पूरा कार्यक्रम फिलहाल संभावित ही है और भारत सरकार की अनुमति मिलने के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

इस दौरे पर अनिश्चितता की मुख्य वजह पिछले कुछ समय से दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में आई खटास है। इस साल की शुरुआत में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 की टीम से रिलीज करने का निर्देश दिए जाने के बाद मामला और गंभीर हो गया था। मुस्तफिजुर को आईपीएल 2025 के आक्शन में केकेआर ने 9.20 करोड़ रुपये की बड़ी रकम देकर खरीदा था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने उस समय इस फैसले के पीछे दोनों देशों के बीच हालिया घटनाक्रम का हवाला दिया था।

इस विवाद के बाद बांग्लादेश में भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसके कुछ ही समय बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में आयोजित हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भाग न लेने का फैसला किया।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय टीम को विश्वकप जिताने वाले कर्स्टन, अब श्रीलंकाई टीम को जीत दिलाने बना रहे रणनीति

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम की 2011 एकदिवसीय विश्वकप जीत के दौरान मुख्य कोच रहे गैरी कर्स्टन अब श्रीलंकाई टीम के कोच हैं। कर्स्टन भारत और श्रीलंकाई एकादश के अभ्यास मैच के दौरान वह अंतिम दिन बाउंड्री लाइन के करीब घूमते दिखे। कर्स्टन श्रीलंकाई खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देख रहे थे। कर्स्टन की इस दौरान भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार से मुलाकात हुई। कर्स्टन इन दोनो खिलाड़ियों को आईपीएल से ही जानते हैं। कर्स्टन जहां साल 2022 से 2024 तक गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाजी कोच रहे थे। वहीं ये दोनो नेट गेंदबाज थे। भारतीय टीम के थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु से भी कर्स्टन मिले। गौरतलबह है कि कर्स्टन भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कोचों में से एक हैं। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। इसमें साल 2011 का ऐतिहासिक विश्व कप भी शामिल था। तब जिस भारतीय टीम की कमजोरियों को दूर करना कभी उनकी जिम्मेदारी थी, अब उसी के खिलाफ उन्हें श्रीलंकाई कोच- के तौर पर रणनीति बनानी हैं। अभ्यास मैच के आखिरी दिन उन्हें भारत के कई अहम खिलाड़ियों को करीब से देखने और समझने का मौका मिला, जो आगामी सीरीज के लिए उनकी रणनीति में अहम साबित होगा।

टीम प्रबंधन और सीओई में मतभेद नहीं : लक्ष्मण

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कई प्रमुख खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने के बाद बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के कामकाज पर उठते सवालों के बीच ही इसके प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है टीम प्रबंधन और सीओई के बीच किसी भी प्रकर के मतभेद नहीं हैं। लक्ष्मण ने कहा कि सीओई की भूमिका, खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया, स्पोर्ट्स साइंस हेड के खाली पद और फिटनेस मॉनिटरिंग के लिए शुरू किए गए नए ब्रोंको टेस्ट को लेकर है। साथ ही कहा कि सीओई की भूमिका केवल चोटिल खिलाड़ियों का इलाज या उनका पुनर्वास (रीहैब) कराना ही नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट को बेहतर खिलाड़ी उपलब्ध कराना है।जिससे की खेल के किसी भी स्तर पर टीम के संसाधनों और नई प्रतिभाओं की कमी नहीं पड़े। उनका कहना था कि सीओई एक भारतीय क्रिकेट के भविष्य को बेहतर करने का प्रयास कर रहा है। लक्ष्मण ने किसी भी तरह के विवाद या मतभेद की खबरों को गलत बताते हुए कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व वाले भारतीय टीम प्रबंधन, चयन समिति और सीओई के बीच अच्छा तालमेलहै। उन्होंने कहा, कोई भी किसी पर आरोप नहीं लगा रहा है। सीओई, टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ आपस में मिलकर काम कर रहे हैं और सभी का ध्यान समस्या के मूल कारणों का पता लगाकर उन्हें दूर करना है। लक्ष्मण ने कहा कि खिलाड़ियों की फिटनेस रिपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया के तहत खिलाड़ी के नाम के साथ लगा स्टार यह दिखात है कि उसका चयन फिट होने की शर्त पर किया गया है। यदि किसी खिलाड़ी की रिकवरी धीमी होती है, तो इसकी सीधी और तत्काल जानकारी चयनकर्ताओं और मुख्य कोच को दी जाती है, ताकि वे सही फैसला ले सकें।

राहुल से बल्लेबाजी टिप्स लेकर सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर भारत को दिलायी जीत

कोलंबो। भारतीय टीम ने यहां श्रीलंकाई एकादश के खिलाफ हुए अभ्यास मैच को छह विकेट से जीत लिया। इस मैच में अंतिम दिन भारतीय टीम को जीत के लिए 16 रन बनाने थे जो बल्लेबाजी कर रह मोहम्मद सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर बना लिए। सिराज को इस प्रकार छक्के लगाते देख सभी हैरान हो गये। सिराज की अच्छी बल्लेबाजी के पीछे बल्लेबाज केएल राहुल की मुख्य भूमिका रही। सिराज को एक दिन पहले ही के एल राहुल के साथ हुआ बल्लेबाजी अभ्यास करते देखा गया। इस दैरान राहुल ने उन्हें जरुरी टिप्स दिये। राहुल ने सिराज जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज को कुछ अहम बल्लेबाजी टिप्स दिए जिसका लाभ उन्हें मिला। राहुल ने जो बातें सिराज को बतायीं उससे वह लाभ उठाने में सफल रहे। सिराज ने कठिन हालातों में रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

एकदिवसीय में एक ही ओवर में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है गिब्स सहित इन बल्लेबाजों के नाम

मुम्बई

दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रहे हर्शल गिब्स सहित कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से एक ही ओवर में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड बनाने के साथ ही मैच का रुख भी बदल दिया। इस दौरान इनके सामने विरोधी टीमों के गेंदबाज बेबस दिखे।

हर्शल गिब्स

इस सूची में सबसे पहले गिब्स का नाम आता है। साल 2007 के एकदिवसीय विश्व कप में गिब्स ने सेंट किट्स के मैदान पर नीदरलैंड्स के खिलाफ एक ऐतिहासिक पारी खेलकर नया रिकार्ड बनाय। ऐसा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले कभी नहीं हुआ था। लेग स्पिनर डैन वैन बंज के खिलाफ गिब्स ने लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगा दिए और एकदिवसीयइतिहास में एक ओवर में 36 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। वैन इस दौरान गिब्स के सामने असहाय दिखे। यह ओवर विश्व कप इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक बन गया।

जसकरन मल्होत्रा

वहीं साल 2021 में अमेरिकी बल्लेबाज जसकरन मल्होत्रा ने पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) के खिलाफ अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया। जसकरन ने पीएनजी के गेंदबाज गौडी टोका की सभी छह गेंदों पर छक्के जड़े और गिब्स की तरह एक ओवर में 36 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। जसकरन ने इस प्रकार दिखाया कि एसोसिएट देशों के क्रिकेटर भी किसी मामले में पीछे नहीं हैं।

शमी फिट है तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ले जाना चाहिये : जहीर

मुम्बई। पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि अगर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिट है तो उन्हें आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये। शमी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की तेज और उछाल भरी पिचों पर शमी काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। शमी ने पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रह हैं। इसके बाद भी उन्हें टीम में वापसी का अवसर नहीं मिल पा रहा रहा है। शमी ने टीम इंडिया के लिए किसी भी प्रारुप में एक साल से नहीं खेला है। इस दौरान हालांकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए और अपनी फिटनेस को भी साबित किया है पर टीम मैनेजमेंट उन्हें लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। जिस प्रकार से टीम मैनेजमेंट आगामी बड़े टूर्नामेंट के लिए युवा तेज गेंदबाजों को अवसर दे रहा है उसका इस अनुभवी तेज गेंदबाज की वापसी कठिन नजर आती है हालांकि कई पूर्व क्रिकेटरों ने शमी की वापसी का समर्थन किया है। वहीं इसी को लेकर जहीर ने कहा, जब कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसे निश्चित रूप से टीम की योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए, शमी को लेकर अभी ऐसा नहीं नहीं दिख रहा है। शमी को विश्व कप के लिए टीम में जगह मिलनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि टीम प्रबंधन इस बारे में क्या सोच रहा है। यह फैसला हेड कोच, चयनकर्ता और कप्तान ही करेंगे पर मेरी राय में अगर शमी फिट और उपलब्ध हैं तो भारत को उनके जैसे अनुभवी गेंदबाज को दक्षिण अफ्रीका ले जाना चाहिए।

थिसारा परेरा

श्रीलंका के आलराउंडर थिसारा परेरा भी एक धमाकेदार बल्लेबाज रहे हैं। साल 2013 में पालेकेले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने रोबिन पीटरसन के एक ओवर में 35 रन बना दिये। परेरा ने ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाया। जिसके बाद एक वाइड और लगातार तीन छक्के मारे। पांचवीं गेंद पर एक चौका और अंतिम गेंद पर फिर छक्का लगाकर परेरा ने कुल 35 रन बटोरे, इस प्रकार ये एकदिवसीय इतिहास का दूसरा सबसे महंगा ओवर साबित हुआ।

एबी डिविलियर्स

दक्षिरण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स भी एक आक्रामक बल्लेबाज रहे हैं। साल 2015 विश्व कप के दौरान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर के खिलाफ डिविलियर्स ने चौकों-छक्कों की बौछार कर दी। डिविलियर्स ने ओवर की शुरुआत चौके से की, जिसके बाद अगली गेंद नो-बाल पर छक्का, फिर दो रन, फिर एक और नो-बाल पर चौका। इसके बाद लगातार दो चौके, दो रन और अंतिम गेंद पर एक छक्का। इस प्रकार इस ओवर में उन्होंने 34 रन बटोरे।

जेम्स नीशम

न्यूजीलैंड के माउंट माउंगानुई मैदान पर साल 2018-19 में न्यूजीलैंड के आलराउंडर जेम्स नीशम ने श्रीलंका के थिसारा परेरा के खिलाफ जमकर शाट खेले। जिस परेरा ने कभी बल्ले से 35 रन बटोरे थे, इस बार वही नीशम के हाथों पिट रहे थे। नीशम ने ओवर की पहली चार गेंदों पर लगातार चार छक्के लगाकर स्टेडियम में सनसनी फैला दी।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप: भारत 27वें स्थान पर, अमेरिका पदक तालिका में शीर्ष पर

ओरेगन

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में भारत तीन पदकों के साथ पदक तालिका में 27वें स्थान पर रहा। भारत अंतिम दिन कोई पदक नहीं जीत सका और उसका अभियान दो रजत तथा एक कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ।

भारत के लिए भाला फेंक में आशीष यादव ने रजत पदक जीता। इसके बाद बसंत कुमार मेघवाल ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक हासिल किया, जबकि शाहनवाज खान ने पुरुषों की लंबी कूद में कांस्य पदक जीतकर भारत को तीसरा पदक दिलाया।

बसंत कुमार मेघवाल का रजत पदक विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की पुरुषों की ऊंची कूद में भारत का पहला पदक था।

वहीं, शाहनवाज पुरुषों की लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बने।

अमेरिका ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। अमेरिका ने कुल 18 पदक जीते, जिसमें 12 स्वर्ण, सात रजत और पांच कांस्य शामिल हैं।

केन्या 11 पदकों के साथ दूसरे और इटली पांच पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 पदक तालिका की स्थिति कुछ इस प्रकार रही...

अमेरिका 12 स्वर्ण, 7 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 18 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा।

केन्या 4 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य सहित 11 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

इटली ने 3 स्वर्ण और 2 कांस्य सहित पांच पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

जमैका 2 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य सहित आठ पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा।

आस्ट्रेलिया और इथियोपिया ने छह-छह पदक जीते और संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे।

फ्रांस छह पदकों के साथ सातवें, चीन पांच पदकों के साथ आठवें और चेकिया चार पदकों के साथ नौवें स्थान पर रहा। भारत दो रजत और एक कांस्य सहित कुल तीन पदकों के साथ 27वें स्थान पर रहा।

वैभव के खिलाफ अगर गेंदबाजी का अवसर मिला तो अपनी रणनीति नहीं बदलूंगा : ब्रेट ली

सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि भारतीय टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आक्रामक अंदाज में खेलते हैं पर इसके बाद भी अगर अन्हें कभी वैभव को गेंदबाजी का अवसर मिला तो अपनी रणनीति नहीं बदलेंगे। इस तेज गेंदबाज का कहना है कि वैभव छक्का लगा देगा ये सोचकर वह अपनी गेंदबाजी में कोई बदलाव नहीं करेंगे। ली अपनी धारदार रफ्तार से बल्लेबाजों को परेशानी में डालने के लिए जाने जाते हैं। उनके बयान से उनकी प्रतिस्पर्धी भावना और हर बल्लेबाज को चुनौती देने की इच्छा सामने आती है। गौरतलब है कि वैभव ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी बल्लेबाजी से दुनिया भर के गेंदबाजों के खिलाफ बड़े शाट लगाये हैं। उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे विश्व स्तरीय और अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ भी आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए लंबे छक्के लगाये हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर हालांकि अब तक वह प्रभावित नहीं कर पाये है। पिछले महीने इंग्लैंड में अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू पर, वह तीन मैचों में संघर्ष करते दिखे और खास तौर पर पिच-अप गेंदों के खिलाफ उन्हें परेशानी हुई।

डीपीएल : सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 4 विकेट से हराया

सेंट्रल दिल्ली के बल्लेबाज युगल सैनी ने खेली 91 रन की तूफानी पारी

नई दिल्ली

युगल सैनी की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 19वें मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को चार विकेट से रोमांचक शिकस्त दी।

अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 221 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर दो गेंद शेष रहते जीत हासिल की।

टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स के गेंदबाज साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहे। साउथ दिल्ली ने 20 ओवर में छह विकेट पर 220 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर बल्लेबाज तेजस्वी दहिया ने 31 गेंदों में आठ छक्कों और एक चौके की मदद से 69 रन की विस्फोटक पारी खेली। कप्तान आयुष बडोनी ने 25 गेंदों में 44 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान ने 23 गेंदों में 38 रन की पारी खेलकर टीम को

मजबूत शुरुआत दी।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स की ओर से मनी ग्रेवाल सबसे किफायती गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। गवनीश खुराना ने भी दो विकेट हासिल किए, हालांकि उन्होंने 40 रन खर्च किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स को शुरुआती ओवर में ही झटका लगा और कप्तान यश ढुल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद युगल सैनी ने पारी को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने 45 गेंदों में नौ चौकों और छह गगनचुंबी छक्कों की मदद से 91 रन की शानदार पारी खेली।

सैनी ने केशव डाबास के साथ चौथे विकेट के लिए 96 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। डाबास ने 27 गेंदों में 39 रन बनाए। इसके बाद सैनी ने वंश बेदी के साथ भी 48 रन की तेज साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। वंश बेदी 13 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की ओर से अंशुमान हुड्डा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 33 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। हालांकि, सेंट्रल दिल्ली किंग्स के बल्लेबाजों ने अंतिम ओवरों में धैर्य बनाए रखा और 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर चार विकेट से रोमांचक जीत दर्ज कर ली।

कुलदीप को लेकर बोले रहाणे, लगातर अंदर बाहर होने से प्रभावित होती है लय

मुम्बई

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे ने कहा है कि लय टूटने से खिलाड़ियों को वापसी के दौरान परेशानी होती हे। रहाणे ने ये बात युवा स्पिनर कुलदीप यादव को लेकर कही है। रहाणे के अनुसार कुलदीप को टीम में जिस प्रकार से अंदर-बाहर किया जा रहा है उससे उनका प्रदर्शन प्रभावित हो रहा है।

रहाणे ने कहा कि अंतिम ग्यारह में अगर किसी खिलाड़ी को बार-बार अंदर-बाहर किया जाता है तो लय खराब होने के साथ ही उसका मनोबल भी कम होता है। -रहाणे ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि कुलदीप के श्रीलंका के बीच आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है और ये पूरी संभावना है कि वह उन्हें , भारतीय स्पिन चौकड़ी का हिस्सा बनाया जा सकता है। वहीं इससे पहले उन्हें इंग्लैंड दौरे में जगह नहीं

मिली थी।

रहाणे ने कहा, मुझे लगता है कि कुलदीप ने पिछले चार-पांच सालों में अपने खेल में काफी सुधार किया है। उन्होंने अपनी गेंदों की गति और विविधता पर काम किया है। अंतिम ग्यारह में बार-बार अंदर-बाहर होने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए यह हालांकि कठिन होता है, क्योंकि क्रिकेट लय का खेल है, चाहे आप बल्लेबाजी कर रहे हों या गेंदबाजी। रहाणे ने कुलदीप की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें एक बेहतरीन स्पिनर और मैच विजेता खिलाड़ी करार दिया।

गौरतलब है कि कुलदीप ने साल 2017 में धर्मशाला में अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। रहाणे ने उसी डेब्यू मैच को याद करते हुए कहा, कुलदीप एक बेहतरीन स्पिनर हैं। इसीलिए मैंने धर्मशाला में उन पर भरोसा जताया था। मुझे पता था कि वो विकेट लेने में माहिर हैं। हालांकि उस समय वो अनुभवी नहीं थे, लेकिन मुझे विश्वास था कि उन्हें उस स्थिति में उतारना फायदेमंद होगा। गौरतलब है कि अपने लगभग नौ साल के करियर में, कुलदीप केवल 18 टेस्ट मैच ही खेल पाए हैं, जिनमें उनके नाम 79 विकेट हैं। भारतीय टीम में उनका चयन अनियमित रहा है, जिससे उन्हें लगातार मौके नहीं मिल पाए हैं, और यही उनके करियर में उतार-चढ़ाव की मुख्य वजह रही है।

रहाणे ने कहा कि खिलाड़ियों को लगातार समर्थन देना बेहद जरुरी है, खासकर वे जो मैच जिताने की क्षमता रखते हों। उन्होंने आगे कहा, एक टेस्ट खेलने के बाद अगले चार-पांच टेस्ट में बेंच पर बैठना आसान नहीं होता। लय बहुत जरूरी है, खासकर गेंदबाजों के लिए। रहाणे ने कुलदीप के प्रदर्शन में सुधार और उनकी बढ़ी हुई आत्मविश्वास पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, हर दिन गेंद आपके हाथ से एक ही तरह से नहीं निकलती।